International Journal for Multidisciplinary Research (IJFMR)
E-ISSN: 2582-2160 ● Website: www.ijfmr.com ● Email: editor@ijfmr.com

दक्षिण पूर्व कोलफील्ड लिमिटेड (एस.ई.सी.एल) में निगमित सामाजिक जिम्मेदारी की नीतियाँ और उनका सामाजिक प्रभाव: एक विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण

विद्या साहू[1] ,डॉ.काजोल दत्ता[2]

[1]शोधकर्ता, वाणिज्य विभाग, भारती विश्वविद्यालय, दुर्ग, छत्तीसगढ़
[2]शोध निर्देशक, वाणिज्य विभाग, भारती विश्वविद्यालय, दुर्ग, छत्तीसगढ़

सारांश

दक्षिण पूर्व कोलफील्ड लिमिटेड (एस.ई.सी.एल) की निगमित सामाजिक जिम्मेदारी नीतियों का समग्र विश्लेषण प्रस्तुत करता है। यह अध्ययन यह समझने का प्रयास करता है कि निगमित सामाजिक जिम्मेदारी के तहत लागू की गई परियोजनाएँ जैसे–शिक्षा सुविधाओं का निर्माण, स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता, ग्रामीण सड़कों का निर्माण, कौशल विकास कार्यक्रम तथा पर्यावरणीय संतुलन हेतु वृक्षारोपण–स्थानीय समुदायों के जीवन स्तर को किस प्रकार प्रभावित कर रही हैं। शोध में वर्णनात्मक व विश्लेषणात्मक विधियों का प्रयोग करते हुए, प्राथमिक आंकड़ों को प्रश्नावली और साक्षात्कार के माध्यम से तथा द्वितीयक आंकड़ों को (एस.ई.सी.एल) की रिपोर्टों, सरकारी दस्तावेजों और शोध लेखों से एकत्र किया गया।

मुख्य शब्द: निगमित सामाजिक जिम्मेदारी, दक्षिण पूर्व कोलफील्ड लिमिटेड (एस.ई.सी.एल.), सामाजिक प्रभाव, स्वास्थ्य सेवाएँ, जीवन स्तर, रोजगार के अवसर, सीएसआर नीति, कार्यान्वयन प्रणाली, क्षेत्रीय विकास, लाभार्थी, बजट प्रावधान, सांख्यिकीय विश्लेषण, सामाजिक संकेतक, सार्वजनिक उपक्रम

प्रस्तावना

भारत में सार्वजनिक उपक्रम आर्थिक विकास के साथ-साथ सामाजिक उत्तरदायित्व निभाने में भी अग्रणी भूमिका निभाते हैं। (एस.ई.सी.एल), कोल इंडिया लिमिटेड की एक सहायक कंपनी, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में कोयला उत्पादन के साथ-साथ क्षेत्रीय विकास हेतु निगमित सामाजिक जिम्मेदारी योजनाओं के तहत

कार्यरत है। इन योजनाओं का उद्देश्य स्थानीय जनता के सामाजिक-आर्थिक उत्थान, आधारभूत सुविधाओं में सुधार, एवं' पर्यावरणीय संतुलन की दिशा में योगदान देना है। इस शोध का अभिप्राय यह विश्लेषण करना है कि क्या इन योजनाओं ने अपेक्षित सामाजिक परिवर्तन लाया है और ये नीतियाँ कितनी प्रभावी रही हैं।

शोध उद्देश्य

1. एस.ई.सी.एल द्वारा अपनाई गई निगमित सामाजिक जिम्मेदारी नीतियों का क्षेत्रीय स्तर पर विश्लेषण करना, जिसमें उनकी योजना, कार्यान्वयन प्रणाली, बजट प्रावधान, और लक्षित लाभार्थी शामिल हैं।
2. निगमित सामाजिक जिम्मेदारी पहलों के प्रभाव का सामाजिक संकेतकों जैसे शिक्षा का स्तर, स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच, जीवन स्तर, रोजगार के अवसर के संदर्भ में मूल्यांकन करना।

शोध परिकल्पनाएँ

H1: एस.ई.सी.एल द्वारा अपनाई गई निगमित सामाजिक जिम्मेदारी नीतियों की योजना, कार्यान्वयन प्रणाली और बजट प्रावधान क्षेत्रीय स्तर पर लक्षित लाभार्थियों तक प्रभावी ढंग से पहुँच प्रदान करते हैं।
H2: एस.ई.सी.एल की निगमित सामाजिक जिम्मेदारी पहलों का सामाजिक संकेतकों जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच, जीवन स्तर और रोजगार के अवसरों पर सकारात्मक और सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है।

शोध विधि

- **शोध का प्रकार:** वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक
- **डेटा संग्रहण विधियाँ:**
- प्राथमिक स्रोत: क्षेत्रीय निवासियों, निगमित सामाजिक जिम्मेदारी लाभार्थियों, एवं एस.ई.सी.एल अधिकारियों से लिये गये साक्षात्कार एवं प्रश्नावली।
- द्वितीयक स्रोत: एस.ई.सी.एल की वार्षिक निगमित सामाजिक जिम्मेदारी रिपोर्ट्स, कोल इंडिया लिमिटेड की नीति दस्तावेज, राज्य सरकार के निगमित सामाजिक जिम्मेदारी रिपोर्ट, शोध-पत्र, एवं मीडिया रिपोर्ट्स।
- **नमूना क्षेत्र:** छत्तीसगढ़ के एस.ई.सी.एल प्रभाव क्षेत्र- बिलासपुर
- **नमूना आकार:** 20 उत्तरदाता, जिनमें ग्रामीण नागरिक, लाभार्थी छात्र/छात्राएँ, स्वास्थ्य केंद्रों के लाभार्थी, निगमित सामाजिक जिम्मेदारी परियोजनाओं से जुड़े स्वयंसेवक और एस ई सी एल अधिकारी शामिल हैं।

- **डेटा विश्लेषण उपकरण:** Excel के माध्यम से सांख्यिकीय विश्लेषण किया गया।

प्रथम परिकल्पना का परीक्षण –

एसईसीएल द्वारा अपनाई गई सीएसआर (CSR) नीतियाँ क्षेत्रीय आवश्यकताओं के अनुसार उपयुक्त रूप से योजनाबद्ध हैं।	एसईसीएल द्वारा अपनाई गई सीएसआर (CSR) नीतियो का प्रतिशत
शिक्षा क्षेत्र में CSR नीतियाँ	20
स्वास्थ्य क्षेत्र में CSR नीतियाँ	40
जल आपूर्ति और स्वच्छता	100
कौशल विकास और रोजगार सृजन	80
पर्यावरण संरक्षण और वृक्षारोपण	40
बुनियादी ढाँचे की सुधार योजनाएँ	60

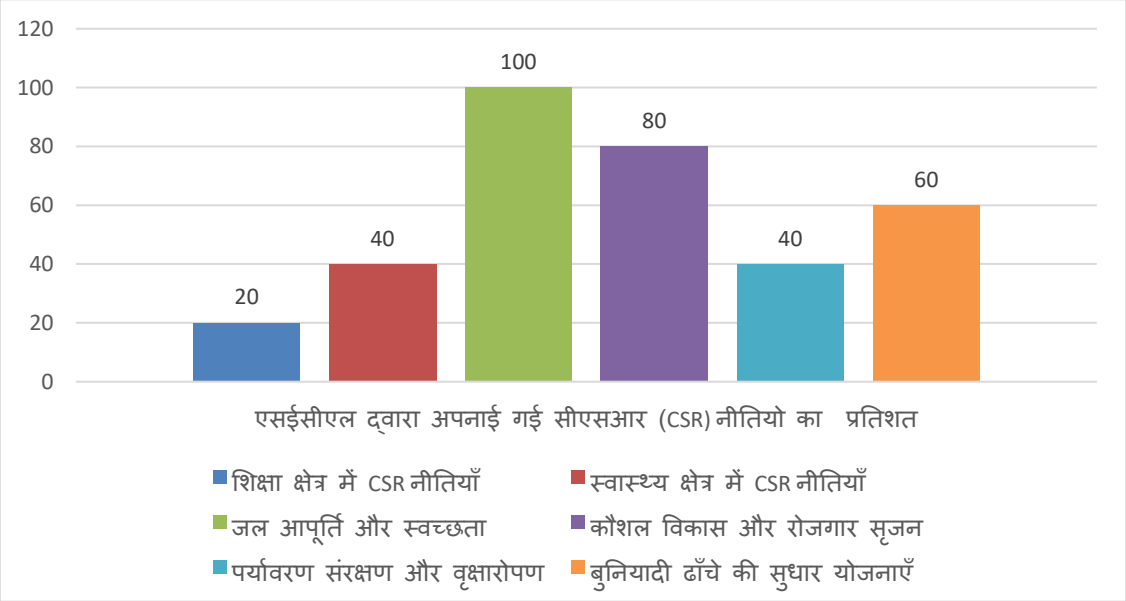

व्याख्या -

एस.ई.सी.एल द्वारा अपनाई गई निगमित सामाजिक जिम्मेदारी नीतियाँ क्षेत्रीय आवश्यकताओं के अनुरूप विभिन्न सामाजिक क्षेत्रों में अलग-अलग स्तर पर योगदान कर रही हैं। तालिका के अनुसार, जल आपूर्ति और स्वच्छता क्षेत्र में 100 प्रतिशत योगदान के साथ यह स्पष्ट होता है कि कंपनी इस क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। इसके बाद कौशल विकास और रोजगार सृजन क्षेत्र में 80 प्रतिशत योगदान दर्शाता है कि एसईसीएल स्थानीय लोगों को स्वावलंबी बनाने और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने हेतु गंभीर

प्रयास कर रही है। बुनियादी ढाँचे की सुधार योजनाओं में 60 प्रतिशत योगदान यह संकेत देता है कि क्षेत्रीय विकास के लिए आवश्यक अधोसंरचना पर भी ध्यान दिया जा रहा है। स्वास्थ्य सेवाओं और पर्यावरण संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में 40-40 प्रतिशत योगदान दर्ज किया गया है, जो मध्यम स्तर का है और इनमें अभी और सुधार की आवश्यकता है। वहीं शिक्षा क्षेत्र में केवल 20 प्रतिशत का योगदान यह दर्शाता है कि इस क्षेत्र को कम प्राथमिकता मिली है, जबकि यह सामाजिक विकास का एक प्रमुख संकेतक है। कुल मिलाकर, एसईसीएल की सीएसआर नीतियाँ कुछ प्रमुख क्षेत्रों में प्रभावी रही हैं, लेकिन शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी क्षेत्रों में अधिक प्रयास की आवश्यकता है।

द्वितीय परिकल्पना का परीक्षण –

एस ई सी एल की निगमित सामाजिक जिम्मेदारी पहलों का सामाजिक संकेतकों जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच, जीवन स्तर और रोजगार के अवसरों पर सकारात्मक और सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है।	एस ई सी एल की निगमित सामाजिक जिम्मेदारी पहलों का सामाजिक संकेतकों का प्रतिशत
शिक्षा	40
स्वास्थ्य सेवा	100
जीवन स्तर	60
रोजगार के अवसर	40

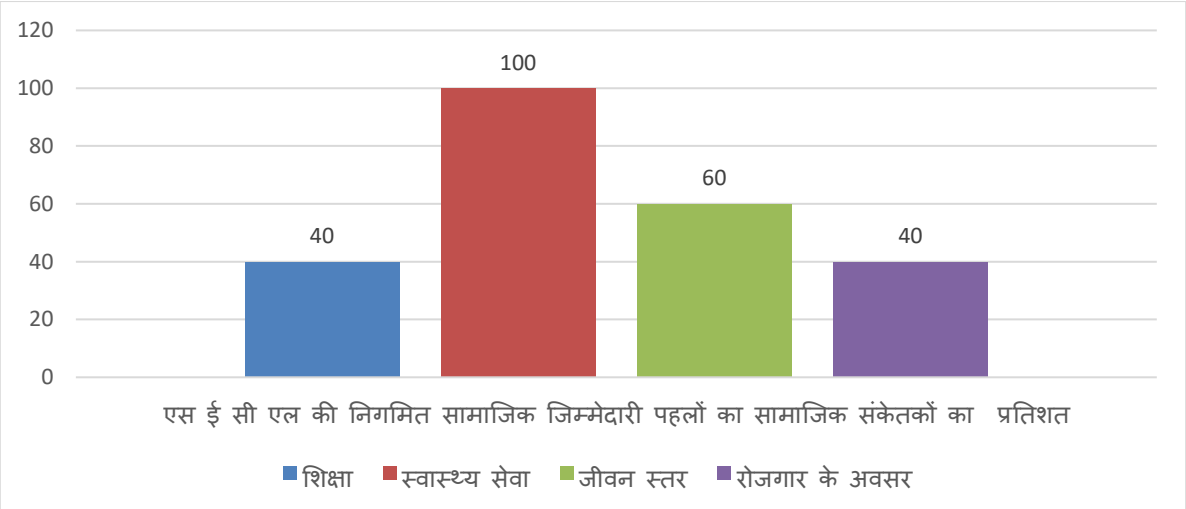

व्याख्या -

एस.ई.सी.एल की निगमित सामाजिक जिम्मेदारी पहलों का सामाजिक संकेतकों पर प्रभाव इस तालिका के माध्यम से स्पष्ट होता है। स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एसईसीएल का 100 प्रतिशत योगदान यह दर्शाता है कि कंपनी ने स्थानीय समुदायों को स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतर पहुँच उपलब्ध कराने के लिए सर्वोच्च

प्राथमिकता दी है। जीवन स्तर के क्षेत्र में 60 प्रतिशत का प्रभाव यह संकेत करता है कि सीएसआर गतिविधियों ने समुदाय के आर्थिक और सामाजिक जीवन को बेहतर बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। शिक्षा और रोजगार के अवसरों के क्षेत्रों में 40-40 प्रतिशत प्रभाव दर्शाता है कि कंपनी की सीएसआर पहलों का इन संकेतकों पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ा है, हालांकि इन क्षेत्रों में और अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। कुल मिलाकर, यह स्पष्ट होता है कि एसईसीएल की सीएसआर नीतियाँ सामाजिक विकास के विभिन्न पहलुओं पर असर डाल रही हैं, विशेषकर स्वास्थ्य और जीवन स्तर के क्षेत्र में, लेकिन शिक्षा और रोजगार जैसे बुनियादी संकेतकों को और सशक्त किए जाने की आवश्यकता है।

दक्षिण पूर्व कोलफील्ड लिमिटेड (एस.ई.सी.एल) में निगमित सामाजिक जिम्मेदारी की नीतियाँ-

दक्षिण पूर्व कोलफील्ड लिमिटेड (एस.ई.सी.एल), जो कोल इंडिया लिमिटेड का एक प्रमुख उपक्रम है, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के विभिन्न कोल खदान क्षेत्रों में कार्यरत है। एस.ई.सी.एल, अपने कार्य क्षेत्र में निगमित सामाजिक जिम्मेदारी के तहत विभिन्न सामाजिक और पर्यावरणीय पहलें चला रहा है, जिनका उद्देश्य स्थानीय समुदायों के जीवन स्तर में सुधार लाना, पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखना और आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है। एस.ई.सी.एल की निगमित सामाजिक जिम्मेदारी नीतियाँ उनके समाज के प्रति जिम्मेदारी को निभाने और सतत विकास के सिद्धांतों को समर्थन देने की दिशा में काम करती हैं।

नीचे एस.ई.सी.एल की प्रमुख निगमित सामाजिक जिम्मेदारी नीतियाँ और उनके तहत की जाने वाली पहलें दी जा रही हैं:

शिक्षा क्षेत्र में निगमित सामाजिक जिम्मेदारी नीतियाँ

एस.ई.सी.एल ने शिक्षा के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण पहलें शुरू की हैं, जिनका उद्देश्य स्थानीय बच्चों और युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मुहैया कराना है।

- **स्कूल भवन निर्माण:** एस.ई.सी.एल ने कई ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूलों का निर्माण किया है ताकि बच्चों को बेहतर शिक्षा सुविधाएँ मिल सकें।
- **स्मार्ट क्लास और डिजिटल शिक्षा:** डिजिटल शिक्षा की दिशा में एस.ई.सी.एल ने स्मार्ट क्लास और कंप्यूटर लैब्स की स्थापना की है, जिससे बच्चों को आधुनिक शिक्षा प्राप्त हो।
- **वेतन आधारित स्कॉलरशिप योजना:** एस.ई.सी.एल ने स्थानीय छात्रों के लिए स्कॉलरशिप योजनाएं शुरू की हैं ताकि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्र उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकें।

स्वास्थ्य क्षेत्र में निगमित सामाजिक जिम्मेदारी नीतियाँ

स्वास्थ्य के क्षेत्र में एस.ई.सी.एल ने कई योजनाएँ और कार्यक्रम शुरू किए हैं, जो स्थानीय समुदाय के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने पर केंद्रित हैं।

- **स्वास्थ्य शिविर:** एस.ई.सी.एल द्वारा स्थानीय निवासियों के लिए नियमित रूप से स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाते हैं। इन शिविरों में मुफ्त चिकित्सा जांच, इलाज और दवाइयाँ प्रदान की जाती हैं।
- **मोबाइल स्वास्थ्य वैन:** एस.ई.सी.एल ने दूरदराज के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने के लिए मोबाइल स्वास्थ्य वैन सेवा शुरू की है।
- **चिकित्सा उपकरण और अस्पताल समर्थन:** एस.ई.सी.एल ने स्थानीय अस्पतालों में चिकित्सकीय उपकरण और अन्य आवश्यक स्वास्थ्य सामग्री की आपूर्ति की है, जिससे अस्पतालों में इलाज की गुणवत्ता में सुधार हुआ है।

जल आपूर्ति और स्वच्छता

एस.ई.सी.एल ने जल आपूर्ति और स्वच्छता को लेकर कई महत्वपूर्ण पहलें की हैं, जिससे स्थानीय लोगों को स्वच्छ जल की आपूर्ति और बेहतर स्वच्छता सुविधाएँ मिल रही हैं।

- **वॉटर टैंक और जलाशयों का निर्माण:** एस.ई.सी.एल ने गांवों और कॉलोनियों में जलाशयों और वॉटर टैंकों का निर्माण किया है ताकि पानी की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके।
- **स्वच्छता अभियान:** एस.ई.सी.एल ने स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए शौचालय निर्माण और जल निकासी प्रणालियों की स्थापना की है।

कौशल विकास और रोजगार सृजन

एस.ई.सी.एल के निगमित सामाजिक जिम्मेदारी कार्यक्रमों में स्थानीय लोगों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कौशल विकास कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाता है।

- **स्वरोजगार प्रशिक्षण:** एस.ई.सी.एल ने महिलाओं और युवाओं के लिए सिलाई, हैंडिक्राफ्ट, और कंप्यूटर प्रशिक्षण जैसे कौशल विकास कार्यक्रम शुरू किए हैं, जिससे उन्हें रोजगार के अवसर मिलते हैं।
- **व्यवसायिक प्रशिक्षण:** स्थानीय लोगों को विभिन्न तकनीकी कार्यों जैसे कि मरम्मत, निर्माण, और अन्य श्रमिक कौशल में प्रशिक्षित किया जाता है, ताकि वे स्वरोजगार प्राप्त कर सकें।

पर्यावरण संरक्षण और वृक्षारोपण

एस.ई.सी.एल की निगमित सामाजिक जिम्मेदारी नीतियों में पर्यावरण संरक्षण भी एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। कोयला खनन के कारण पर्यावरणीय प्रभाव को संतुलित करने के लिए एस.ई.सी.एल ने निम्नलि

खित पहलें की हैं:

- **वृक्षारोपण अभियान:** एस.ई.सी.एल ने क्षेत्र में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान चलाए हैं ताकि पर्यावरणीय असंतुलन को दूर किया जा सके और जैव विविधता का संरक्षण किया जा सके।
- **जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण नियंत्रण:** एस.ई.सी.एल ने खदानों में प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए विभिन्न तकनीकी उपायों को अपनाया है, जैसे कि खदानों में धूल नियंत्रण प्रणालियाँ और जलवायु परिवर्तन की दिशा में कदम उठाना।

बुनियादी ढाँचे की सुधार योजनाएँ

एस.ई.सी.एल ने स्थानीय समुदायों के बुनियादी ढाँचे को सुधारने के लिए भी कई कदम उठाए हैं:

- **सड़क निर्माण:** एस.ई.सी.एल ने ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कें बनाने के लिए पहल की है, जिससे आवागमन में सुविधा हुई है और आर्थिक गतिविधियाँ बढ़ी हैं।
- **आवासीय परियोजनाएँ:** एस.ई.सी.एल ने स्थानीय समुदायों के लिए किफायती आवास प्रदान करने के लिए आवासीय परियोजनाएँ भी शुरू की हैं।

निष्कर्ष

दक्षिण पूर्व कोलफील्ड लिमिटेड (एसईसीएल) द्वारा अपनाई गई निगमित सामाजिक जिम्मेदारी नीतियाँ क्षेत्रीय आवश्यकताओं के अनुरूप योजनाबद्ध, सुव्यवस्थित एवं बजट आधारित हैं, जो लक्षित लाभार्थियों तक प्रभावी रूप से पहुँच बनाने में सक्षम रही हैं। योजना निर्माण से लेकर कार्यान्वयन तक की प्रक्रिया में पारदर्शिता और स्थानीय सहभागिता देखी गई, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि संसाधनों का उपयोग समाज की प्राथमिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु हो। इसके साथ ही, एसईसीएल की सीएसआर पहलों का प्रभाव सामाजिक संकेतकों पर भी स्पष्ट रूप से देखा गया है, विशेषकर स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच और जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। शिक्षा और रोजगार के क्षेत्रों में भी सकारात्मक बदलाव के संकेत मिले हैं, हालाँकि इन क्षेत्रों में और अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। कुल मिलाकर, एसईसीएल की सीएसआर नीतियाँ न केवल क्षेत्रीय विकास में सहायक सिद्ध हो रही हैं, बल्कि सामाजिक उत्थान की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

सुझाव

निगमित सामाजिक जिम्मेदारी योजनाओं की पारदर्शी निगरानी के लिए 'स्थानीय निगरानी समिति' का गठन किया जाए।

1. शिक्षा और स्वास्थ्य के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण एवं पर्यावरणीय संरक्षण पर केंद्रित योजनाओं

को प्राथमिकता दी जाए।

2. निगमित सामाजिक जिम्मेदारी बजट के उपयोग और उसके प्रभाव की वार्षिक समीक्षा एवं सार्वजनिक रिपोर्टिंग अनिवार्य की जाए।
3. ग्रामीण युवाओं के लिए दीर्घकालिक स्वरोजगार आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जाएँ।
4. निगमित सामाजिक जिम्मेदारी योजनाओं की जागरूकता के लिए प्रत्येक गाँव में 'निगमित सामाजिक जिम्मेदारी सूचना केंद्र' की स्थापना की जाए।

संदर्भ सूची

1. दक्षिण पूर्व कोलफील्ड लिमिटेड (2023) *निगमित सामाजिक जिम्मेदारी नीति दस्तावेज*। एसईसीएल मुख्यालय, बिलासपुर
2. कोल इंडिया लिमिटेड (2022) *वार्षिक निगमित सामाजिक जिम्मेदारी रिपोर्ट 2021-22* कोल इंडिया प्रकाशन, कोलकाता
3. भारतीय उद्योग परिसंघ (2022) *निगमित सामाजिक जिम्मेदारी प्रभाव आकलन गाइडलाइन (हिंदी संस्करण)* नई दिल्ली: सीआईआई प्रकाशन
4. भारत सरकार, कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय (2021) *कंपनियों अधिनियम, 2013 की धारा 135 – निगमित सामाजिक जिम्मेदारी नियमावली*। नई दिल्ली।
5. तिवारी, एम. (2021) *कोरबा क्षेत्र में निगमित सामाजिक जिम्मेदारी गतिविधियों का सामाजिक मूल्यांकन*। लोक नीति शोध पत्रिका, खंड 9(4), पृष्ठ 112-120
6. छत्तीसगढ़ राज्य सरकार (2020) *निगमित सामाजिक जिम्मेदारी योजनाओं की प्रभावशीलता पर रिपोर्ट* योजना, आर्थिक और सांख्यिकी विभाग, रायपुर
7. वर्मा, एस. के. (2020) *भारत में निगमित सामाजिक जिम्मेदारी की वर्तमान स्थिति और चुनौतियाँ*। भारतीय प्रबंधन शोध जर्नल, खंड 15(3), पृष्ठ 66-72
8. मिश्रा, आर. (2019) *निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व और ग्रामीण विकास: एक अध्ययन*। ग्रामीण अध्ययन शोध पत्रिका, खंड 7(2), पृष्ठ 45-58।
9. कुमार, डी. (2019)। *सार्वजनिक उपक्रमों की निगमित सामाजिक जिम्मेदारी रणनीतियाँ और उनके परिणाम: एक केस अध्ययन*। नीति और विकास, खंड 5(2), पृष्ठ 21-34